## दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया आदि में विकलांगता-समावेशी मानवतावादी कार्रवाई और आपातकालीन प्रतिक्रिया

# सार्थक भागीदारी में सहायक बनें।

मानवीय और आपातकालीन एजेंडा बनाना, निर्णय लेने और कार्यान्वयन में विकलांग लोगों को शामिल करना महत्वपूर्ण है।

इस तथ्य से अवगत होने की जरूरत है कि मानवीय कार्रवाई और आपातकालीन तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्स्थापना को सुनिश्चित करने के लिए विकलांग लोगों को ज्ञान और कौशल के साथ सर्वोत्तम स्थान दिया गया है।

मानवतावादी कार्रवाई और आपातकालीन तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्स्थापना बनाने के सभी चरणों में विविध विकलांगता वाले लोगों को शामिल करें; इसमें कमज़ोर और संघर्ष के बाद कि स्थितियों में शांति निर्माण गतिविधियाँ शामिल हैं।

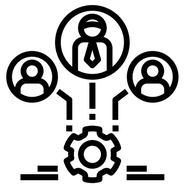

तैयारी, प्रतिक्रिया और पुनर्स्थापना बनाने के कार्यों में विकलांग लोगों की सार्थक भागीदारी का समर्थन करने के लिए नागरिक समाज, विशेष रूप से विकलांग व्यक्तियों के संगठनों (organisations of persons with disabilities-OPDs) के साथ जुड़ें।

विकलांग लोगों को प्रतिक्रिया गतिविधियों में भाग लेने और प्रतिक्रिया देने, डेटा और कार्यान्वयन की निगरानी करने, और उत्तरदाताओं को चुनौतीपूर्ण प्रश्न पूछने में सहायता करके उनके प्रति जवाबदेह बनें।

**SSHAP** | Social Science in Humanitarian Action Platform

www.socialscienceinaction.org

@SSHAP_Action #SSHAP

DOI: 10.19088/SSHAP.2023.028

**दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया आदि में विकलांगता-समावेशी मानवतावादी कार्रवाई और आपातकालीन प्रतिक्रिया**

# विभिन्न जरूरतों की पहचान करके उनका निराकरण करें।

मानवतावादी और आपातकालीन प्रतिक्रिया में विकलांगता को शामिल करने के सभी दृष्टिकोणों के लिए एक ही तौर-तरीका अपनाना पर्याप्त नहीं है।

शारीरिक, संवेदी, संज्ञानात्मक, मनोसामाजिक और बहु-विकलांगताओं वाले लोगों की विभिन्न प्रकार की विविध आवश्यकताओं को पहचानें जिससे उनकी व्यक्तिगत जरूरतों का आकलन हो सकेगा।

मानवतावादी और आपातकालीन सेवाओं की रूपरेखा तैयार करें जिसमें आश्रय, भोजन, परिवहन, स्वास्थ्य देखभाल और स्वच्छता को इस तरह से शामिल करें कि इस तरह के लोग अपनी विभिन्न प्रकार की विविध आवश्यकताओं तक आसानी से पहुँच सकें।

यह भी सुनिश्चित करें कि उन सेवाओं के लिए आपातकालीन अनुकूलन किए जाएँ जिन पर कुछ विकलांग लोग दिन-प्रतिदिन निर्भर हो सकते हैं। उदाहरण के लिए भोजन या आवागमन से संबंधित सहायक उपकरणों तक निरंतर उनकी पहुँच बन सके।

यह भी जानें कि विकलांगता विषयक पहचान अन्य पहलुओं (जैसे, लिंग, आयु, आय, जाति या अल्पसंख्यक स्थिति) के साथ अंतर्संबंधित हो सकती है। उदाहरण के लिए, विकलांग महिलाओं और बच्चों को दुर्व्यवहार के असंगत जोखिमों का सामना करना पड़ता है।


**SSHAP** | Social Science in Humanitarian Action Platform

www.socialscienceinaction.org

@SSHAP_Action #SSHAP

DOI: 10.19088/SSHAP.2023.028

## दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया आदि में विकलांगता-समावेशी मानवतावादी कार्रवाई और आपातकालीन प्रतिक्रिया

# संवादिता के साथ।

विकलांग लोगों को आपात स्थिति के दौरान जीवन-रक्षक जानकारी तक अपनी पहुँच आसानी से बनाने की स्थिति में होना चाहिए।

विभिन्न विकलांगता वाले लोगों के लिए संचार मंच तैयार करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे अपनी और दूसरों की सुरक्षा के लिए आवश्यक जानकारी प्राप्त कर सकें और आपात स्थिति में सहायता प्राप्त कर सकें।

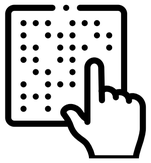

राष्ट्रीय या स्थानीय रूप से प्रासंगिक सांकेतिक भाषाओं और ब्रेल प्रणालियों को पहचानें और उनका उपयोग करें। स्थानीय रूप से प्रासंगिक बोली जाने वाली भाषाओं में कैप्शन और ऑडियो मीडिया तथा सरल भाषा और आसानी से पढ़े जाने वाले टेक्स्ट प्रारूपों का उपयोग करें।

विकलांग लोगों तक पहुँचने के लिए देखभालकर्ताओं और संबंधित उपयोगी नेटवर्क को शामिल करें, विशेषकर उन लोगों तक पहुँच बनाने में जो संचार के सामान्य रूपों का उपयोग करने में सक्षम नहीं हैं।

**SSHAP** | Social Science in Humanitarian Action Platform

www.socialscienceinaction.org

@SSHAP_Action #SSHAP

DOI: 10.19088/SSHAP.2023.028

## दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया आदि में विकलांगता-समावेशी मानवतावादी कार्रवाई और आपातकालीन प्रतिक्रिया

# रोजमर्रा की बातों को शामिल करके।

विकलांग लोगों के लिए रोजमर्रा के समावेशन की आधारशिला बनाने हेतु समावेशी मानवीय और आपातकालीन प्रतिक्रिया की अत्यंत आवश्यकता है।

विकलांग लोगों के बारे में व्यापक और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तुलनीय मात्रात्मक डेटा और संदर्भ-विशिष्ट गुणात्मक डेटा एकत्र करें। बेहतर योजना और प्रतिक्रिया प्रयासों को करने के लिए उनकी विविध आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के बारे में डेटा शामिल करें।

विकलांगता को पूरी तरह से समावेशी बनाने के लिए बुनियादी ढाँचे, परिवहन और संचार प्रणालियों के साथ-साथ सामाजिक सुरक्षा, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ाने के प्रयासों का समर्थन करें।

गरीबी, शैक्षिक और आर्थिक बहिष्करण, तथा सामाजिक और शारीरिक अलगाव का निराकरण करने वाली उन बातों को इसमें शामिल करें, जो विकलांग लोगों को असमान रूप से प्रभावित करती हैं।

रोजमर्रा के समावेशन को बढ़ावा देने और रूढ़िवादिता का मुकाबला करने के लिए नीति निर्माताओं, सेवा प्रदाताओं और जनता के बीच विकलांगता के सामाजिक मॉडल की गहरी समझ को बढ़ावा दें।

सकारात्मक संदेश के माध्यम से विकलांगता संबंधी विषम स्थितियों का विरोध करें तथा पहचानें कि कुछ विकलांग लोग, जैसे कि जातीय या धार्मिक अल्पसंख्यक, या संज्ञानात्मक विकलांगता वाली महिलाएँ और लड़कियाँ आदि सर्वाधिक रूप में इन विषम स्थितियों का सामना करते हैं जो कि थोड़ा-बहुत भिन्न रूप में होता है।

SSHAP | Social Science in Humanitarian Action Platform

www.socialscienceinaction.org

@SSHAP_Action #SSHAP

DOI: 10.19088/SSHAP.2023.028

## दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया आदि में विकलांगता-समावेशी मानवतावादी कार्रवाई और आपातकालीन प्रतिक्रिया

# विकलांग लोगों और उनके नेटवर्क को सशक्त बनाना।

मात्र विकलांग लोगों के लिए ही नहीं बल्कि उनका ध्यान रखने वाले सभी लोगों के लिए सार्थक समावेशन हेतु सशक्तीकरण की जरूरत है।

विकलांग लोगों के परिवार के सदस्यों, दोस्तों और देखभाल करने वालों को संकट में देखभाल और सहायता प्रदान करना जारी रखने के लिए जानकारी और संसाधन प्रदान करें।

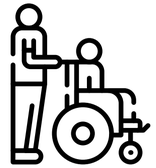

संकट काल में विकलांग लोगों के संकटपूर्ण स्थिति से बचकर निकलने की संभावना बहुत कम होती है अत: विकलांग लोगों, उनके परिवारों और समुदायों के साथ मिलकर संकटपूर्ण स्थिति में उनके निकास की योजना तैयार करें।

विकलांग लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी में तथा संकटपूर्ण स्थिति में उनकी हिमायत करने के लिए राष्ट्रीय और स्थानीय स्तर पर सिविल सोसाइटी और ओपीडी के साथ जुड़कर कार्य करें।

SSHAP | Social Science in Humanitarian Action Platform

www.socialscienceinaction.org

@SSHAP_Action #SSHAP

DOI: 10.19088/SSHAP.2023.028